GSEB Std 9 Hindi Textbook Solutions Chapter 5 स्वराज्य की नींव

Std 9 GSEB Hindi Solutions स्वराज्य की नींव Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. एक-दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1.
रानी लक्ष्मीबाई की चिंता का कारण क्या था?
उत्तर :
रानी लक्ष्मीबाई की चिंता का यह कारण था कि बहुत प्रयत्न करने के बाद भी स्वराज्य उनके हाथ में नहीं आ रहा था।

प्रश्न 2. बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से क्या कहा था?
उत्तर :
बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से कहा था कि समाज में छूआछूत, ऊँच-नीच और विलास प्रियता के होते हुए हमें स्वराज्य नहीं मिल सकता। स्वराज्य केवल सेवा, तपस्या और बलिदान से ही मिल सकता है।

प्रश्न 3. रानी लक्ष्मीबाई ने क्या प्रतिज्ञा की थी?
उत्तर :
रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी को फिर से जीत लेने की प्रतिज्ञा की थी।

प्रश्न 4. जूही सेनापति तात्या का पक्ष क्यों लेती है?
उत्तर :
जूही सेनापति तात्या का पक्ष लेती है, क्योंकि वह उससे प्रेम करती है।

प्रश्न 5. तात्या रानी लक्ष्मीबाई के सामने लज्जित क्यों हो उठे?
उत्तर :
रानी लक्ष्मीबाई ने तात्या को 'सरदार' कहकर संबोधित किया। रानी के मुंह से अपने लिए यह संबोधन सुनकर तात्या लज्जित हो उठे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. पाँच-छः वाक्यों में उत्तर दीजिए :

प्रश्न 1. मार्ग में हिमालय अड़ने, डरावनी लहरों के थपेड़े मारने, नाविकों के सो जाने से क्या अभिप्राय है?

उत्तर :

रानी लक्ष्मीबाई को अपनी प्यारी झाँसी शत्रुओं के हाथ में चले जाने का दुःख है। स्वराज्य की मंजिल हर बार पास आकर दूर चली जाती है। रानी स्वराज्य को पास आते हुए देखती हैं, पर तभी हिमालय जैसी बाधाएँ उनके मार्ग में आ जाती हैं। जब वे इन बाधाओं को पार करती हैं, तो मुसीबतों के महासागर सामने उमड जाते है। जब वे उन्हें पार करना चाहती हैं, तो देखती हैं कि नाविक सो रहे हैं। ये नाविक है विलास में डूबे हुए उनके साथी सेनापति तात्या, राव साहब, बाँदा के नवाब आदि।

प्रश्न 2. रानी लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्‌भुत मिसाल थीं- समजाइए।

उत्तर :

रानी लक्ष्मीबाई हमारे इतिहास का एक अत्यंत तेजस्वी चरित्र हैं। स्वराज्य ही उनका अंतिम लक्ष्य है। इसके लिए वे बड़े से बड़ा बलिदान दे सकती हैं। स्वराज्य की नींव बनने में ही वे जीवन की सार्थकता मानती है। उन्हें राग-रंग से सख नफरत है। उन्हें यही चिता है कि स्वराज्य के लिए लड़ रहे उनके सैनिकों की वीरता कलंकित न होने पाए। सचमुच, रानी लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्‌भुत मिसाल थीं।

प्रश्न 3. 'स्वराज्य की नींव' शीर्षक कहाँ तक सार्थक है? प्रस्तुत एकांकी के लिए कोई अन्य शीर्षक दीजिए।

उत्तर :

सन् 1857 का सैनिक विद्रोह भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना जाता है। उसमें झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, जूही, मुंदर, तात्या टोपे, रामचन्द्र तथा रघुनाथराव आदि ने अपनी अनोखी देशभक्ति का परिचय दिया था। ये सब अपना बलिदान देकर स्वराज्य की नींव के पत्थर बन गए। बाद में इस एकांकी के पात्रों के न्याय, तपस्या और बलिदान की नींव पर ही भारत की आजादी की इमारत खड़ी हुई। इसलिए इस एकांकी का शीर्षक "स्वराज्य की नींव' बिलकुल सार्थक है। इसके अन्य शीर्षक ये हो सकते हैं - 'स्वराज्य की आधारशिला' और 'आजादी के वे परवाने'।

प्रश्न 4. प्रस्तुत एकांकी में से उन कथनों को छाँटिए जिससे पता चलता है कि युद्‌ध की छाया में भी राव साहब वैभव विलास में डूबे थे?

उत्तर :

1. जूही - जानती हूं महारानी! हम विलासिता में डूब गए हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. मुंदर - विलासिता में डूबे हैं राव साहब, बाँदा के नवाब, सेनापति तात्या।
3. लक्ष्मीबाई - जूही ने उन्हें रोका है मुंदर। मैं जानती हूँ। जब राव साहब के लिए बुलाने इसे आए थे तो इसने उनको बुरी तरह दुत्कार दिया था।

3. आशय स्पष्ट कीजिए :

प्रश्न 1. "स्वराज्य प्राप्ति से बढ़कर है स्वराज्य की स्थापना के लिए भूमि तैयार करना, स्वराज्य की नींव का पथ्थर बनना।"

उत्तर :

इमारत बनाने के पहले उसके लिए उचित भूमि का चयन है किया जाता है। फिर मजबूत नींव रखी जाती है। नींव जितनी मजबूत होगी, इमारत भी उतनी ही मजबूत होगी। इसी तरह स्वराज्य पाने के लिए है देश और समाज में उसके लिए वातावरण तैयार करना जरूरी है। यह वातावरण जनमानस को जगाकर ही तैयार किया जा सकता है। शहीदों के बलिदान जनमानस को आंदोलित करते हैं और लोगों में स्वराज्य पाने की भावना तीव्र बनती है।

प्रश्न 2. "शंकाएँ अविश्वास पैदा करेंगी और उस अविश्वास से उत्पन्न निराशा को दूर करने के लिए पायल की झंकार और भी झनक उठेगी।"

उत्तर :

राव साहब, बाँदा के नवाब आदि रानी के सहयोगी संकुचित दृष्टि के व्यक्ति थे। वे अपने-अपने स्वार्थ के लिए रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े थे। उनमें न देशप्रेम था और न एक-दूसरे के प्रति विश्वास था। वे एक-दूसरे को शंका की दृष्टि से देखते थे। ऐसे में स्वराज्य-स्थापना की बात उनमें परस्पर अविश्वास बढ़ा सकती थी। अविश्वास उनमें निराशा पैदा करता और फिर उससे उत्पन्न दुःख दूर करने के लिए वे राग-रंग में डूब जाते।

प्रश्न 3. "दोस्त की ठोकर अविश्वास की खाई को और चौड़ा कर देती हैं.?"

उत्तर :

दोस्ती में एक-दूसरे पर विश्वास होता है। ऐसे में कोई धोखा दे तो दिल को गहरी चोट लगती है। गहरा विश्वास गहरे अविश्वास में बदल जाता है और फिर पहले जैसी दोस्ती नहीं रह सकती।

4. सही शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

प्रश्न 1.

1. **वह मिल सकता है, केवल सेवा, तपस्या और ..... से। (बलिदान/युद्ध)**
2. **महासागर की डरावनी ..... थपेड़े मारने लगती हैं। (लहरें/हवाएँ)**
3. **कौन कहता है कि ..... में डूब गए हैं? (विलासिता/तपस्या)**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. मैं ……. के लिए नाच सकती हूँ। (विजय/स्वराज्य)

5. हमारी …… कलंकित न होने पाए। (श्रेष्ठता/वीरता)

उत्तर :

1. स्वराज्य मिल सकता है, केवल सेवा, तपस्या और बलिदान से।
2. महासागर की डरावनी लहरे थपेड़े मारने लगती हैं।
3. कौन कहता है कि हम विलासिता में डूब गए है?
4. मैं स्वराज्य के लिए नाच सकती हूँ।
5. हमारी वीरता कलंकित न होने पाए।

5. शब्दसमूह के लिए एक शब्द :

प्रश्न 1.

1. धरती और आकाश के मिलने का स्थान

2. निराशा या क्रोध में मुंह से निकलनेवाली श्वास

3. दही से बननेवाला एक व्यंजन

4. ब्राह्मणों को खिलाया जानेवाला भोज

5. स्वामी के प्रति श्रद्धा रखनेवाला

उत्तर :

1. क्षितिज
2. निश्वास
3. श्रीखंड
4. ब्रह्मभोज
5. स्वामिभक्त

6. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाए :

राज्य - स्व+राज्य = स्वराज्य

प्रश्न 1.

1. देश - …….

2. भाव - …….

3. तंत्र - …….

4. जन - …….

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उत्तर :

1. देश - स्व + देश = स्वदेश
2. भाव - स्व + भाव = स्वभाव
3. तंत्र - स्व + तंत्र = स्वतंत्र
4. जन - स्व + जन = स्वजन

7. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाए :

सुन्दर - सुन्दरता - सौंदर्य
प्रश्न 1.

1. **शूर - शूरता**
2. **धीर - धीरता**
3. **उदार - उदारता**
4. **स्थिर - स्थिरता**

उत्तर :

1. शुर - शुरता - शौर्य
2. धीर - धीरता - धैर्य
3. उदार - उदारता- औदार्य
4. स्थिर - स्थिरता - स्थैर्य

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in